..... से दिनांक ..... तक .....(स्थान का नाम) में आयोजित स्कूलों के नेशनल गेम्स की ..... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्कूल की ओर से भाग लिया। उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/ टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया।

यह प्रमाण–पत्र डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....हस्ताक्षर .....

दिनांक ..... नाम .....

पद .....

संस्था का नाम .....

मुहर .....

नोट : यह प्रमाण–पत्र निदेशक/या अतिरिक्त/संयुक्त या उपनिदेशक डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा ..... द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर होने पर मान्य होगा।

उत्तर प्रदेश शासन
नियोजन विभाग
मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम
अनुभव प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री .....पुत्र/पुत्री..... .....श्री/श्रीमती..... जिनकी जन्मतिथि.....है, के द्वारा नियोजन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड.....जनपद..... .....में दिनांक.....से.....तक शोधार्थी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया गया।

नोटः यह प्रमाण–पत्र उ0प्र0 लोक सेवाओं (प्रतियोगी परीक्षा हेतु मुख्यमंत्री अध्येतावृत्ति के अनुसंधानविदों के लिए आयु सीमा एवं अधिमान का शिथिलीकरण) नियमावली, 2026 में प्राविधानित वेटेज व आयु में शिथिलीकरण प्रयोजनार्थ जारी किया गया है।

दिनांक :

.....

विशेष सचिव, नियोजन विभाग

परिशिष्ट–2
प्रारम्भिक परीक्षा हेतु परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम
(अ) प्रारम्भिक परीक्षा हेतु परीक्षा योजना

प्रश्नपत्र का नाम	–	सामान्य अध्ययन एवं सामान्य हिन्दी (सामान्य शब्द ज्ञान एवं व्याकरण)।
प्रश्नपत्र का प्रकार	–	वस्तुनिष्ठ प्रकारक।
प्रश्नपत्र की सख्या	–	एक (01)।
प्रश्नों की संख्या	–	दो सौ (200) (जिसमें सामान्य अध्ययन के कुल–140 प्रश्न तथा सामान्य हिन्दी के कुल–60 प्रश्न होंगे)।
प्रत्येक प्रश्न पर निर्धारित अंक	–	एक (01)।
प्रश्नपत्र का पूर्णांक	–	दो सौ (200) ।
समयावधि	–	तीन (03:00) घण्टे।

(ब) प्रारम्भिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम
1– सामान्य अध्ययन (वस्तुनिष्ठ प्रकारक)

1. सामान्य विज्ञान, 2. भारत का इतिहास, 3. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, 4. भारतीय राज्य तंत्र, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति, 5. भारतीय कृषि, वाणिज्य एवं व्यापार, 6. जनसंख्या, पर्यावरण एवं नगरीकरण (भारतीय परिप्रेक्ष्य में), 7. विश्व भूगोल तथा भारत का भूगोल और प्राकृतिक संसाधन, 8. अधुनातन राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्वपूर्ण घटनाक्रम, 9. सामान्य बौद्धिक क्षमता, 10. उत्तर प्रदेश की शिक्षा, संस्कृति, कृषि, उद्योग, व्यापार एवं रहन–सहन और सामाजिक प्रथाओं के सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी।

2–सामान्य हिन्दी

(i) विलोम	(10 शब्द)
(ii) वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि	(10 वाक्य)
(iii) अनेक शब्दों के एक शब्द	(10 शब्द)
(iv) तत्सम एवं तद्भव शब्द	(10 शब्द)
(v) विशेष्य और विशेषण	(10 शब्द)
(vi) पर्यायवाची शब्द	(10 शब्द)

परिशिष्ट–3
(अ) मुख्य परीक्षा हेतु परीक्षा योजना
प्रश्नपत्र–1

प्रश्नपत्र का नाम	–	सामान्य अध्ययन– प्रथम।
प्रश्नपत्र का प्रकार	–	परम्परागत।
प्रश्नों की संख्या	–	बीस (20) – जिसमें दस (10) प्रश्न लघु उत्तरीय, प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक– आठ (08) तथा शब्द सीमा– पचहत्तर (75)। दस (10) प्रश्न दीर्घ उत्तरीय, प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक– बारह (12) तथा शब्द सीमा– एक सौ पच्चीस (125)।
प्रश्नपत्र का पूर्णांक	–	दो सौ (200)।
समयावधि	–	तीन (03:00) घण्टे।

प्रश्नपत्र–2

प्रश्नपत्र का नाम	–	सामान्य अध्ययन– द्वितीय।
प्रश्नपत्र का प्रकार	–	परम्परागत।
प्रश्नों की संख्या	–	बीस (20) – जिसमें दस (10) प्रश्न लघु उत्तरीय, प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक– आठ (08) तथा शब्द सीमा– पचहत्तर (75)। दस (10) प्रश्न दीर्घ उत्तरीय, प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक– बारह (12) तथा शब्द सीमा– एक सौ पच्चीस (125)।
प्रश्नपत्र का पूर्णांक	–	दो सौ (200)।
समयावधि	–	तीन (03:00) घण्टे।

प्रश्नपत्र–3

प्रश्नपत्र का नाम	–	सामान्य हिन्दी एवं आलेखन।
प्रश्नपत्र का प्रकार	–	परम्परागत।
प्रश्नों की संख्या	–	आठ (08) –जिसमें कतिपय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी होंगे। ध्यातव्य है कि प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक इस विषय के संगत पाठ्यक्रम में उनके सम्मुख अवलोकनार्थ अंकित कर दिये गये हैं।
प्रश्नपत्र का पूर्णांक	–	दो सौ (200) ।
समयावधि	–	तीन (03:00) घण्टे।

प्रश्नपत्र–4

प्रश्नपत्र का नाम	–	हिन्दी निबन्ध।
प्रश्नपत्र का प्रकार	–	परम्परागत।
प्रश्नों की संख्या	–	दो निबन्ध– जिसमें प्रथम निबन्ध हेतु निर्धारित अंक अस्सी (80) व शब्द सीमा– आठ सौ (800) तथा द्वितीय निबन्ध हेतु निर्धारित अंक एस सौ बीस (120) व शब्द सीमा बारह सौ (1200) है।
प्रश्नपत्र का पूर्णांक	–	दो सौ (200) ।
समयावधि	–	तीन (03:00) घण्टे।

(ब) मुख्य परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम
प्रश्नपत्र–1
विषय– सामान्य अध्ययन– I
1–भारतीय इतिहास, कला और संस्कृति

- भारतीय संस्कृति – प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलू।
- आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई. से 1947 ई. तक) : महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं व्यक्तित्व ।
- स्वतंत्रता संग्राम– इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति और उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात देश के भीतर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)।

2– भारतीय समाज

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ।
- महिला–समाज और महिला – संगठनों की भूमिका, जनसंख्या और संबंधित मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और समाधान।
- उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अर्थ और सामाजिक संरचना पर उनके प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास।

3– भारत का भूगोल

- भारत का भौतिक भूगोलः संरचना, भू–आकृति, जलवायु, अपवाह तंत्र, मृदा और वनस्पति।
- भारत का आर्थिक भूगोलः कृषि और सिंचाई, खनिज और ऊर्जा संसाधन, उद्योग और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन तंत्र।
- भारत का मानव भूगोलः जनसंख्या– संरचना, संयोजन, वितरण, घनत्व और वृद्धि। ग्रामीण और नगरीय अधिवासः प्रकार और प्रतिरूप, महानगरीय केंद्रों का विकास।
- उत्तर प्रदेश का भूगोलः भौतिक, मानवीय और आर्थिक पहलू। योजना एवं विकास से संबंधित समसामयिक मुद्दे।

4– पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन

- पर्यावरणः अवधारणाएँ, पारिस्थितिक तंत्र के प्रकार, जैविक और अजैविक घटक। ऊर्जा प्रवाह, जल चक्र, कार्बन चक्र, नाइट्रोजन चक्र। जीवमण्डल।
- मानव–पर्यावरण संबंधः प्रदूषण (जल, वायु, ध्वनि और मृदा), पर्यावरणीय क्षरण, संरक्षण और प्रबंधन। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम।
- आपदाओं की प्रकृति एवं प्रकारः ज्वालामुखी, भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, हिमस्खलन, बाढ़, सूखा, महामारी और वैश्विक महामारी।
- आपदा प्रबंधनः प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं, क्षति और हानि, आपदा प्रबंधन चक्र (तैयारी, बचाव, राहत एवं पुनर्निर्माण), एनडीएमए, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की भूमिका।

5–विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास और उनके अनुप्रयोग और दैनिक जीवन में प्रभाव, दैनिक जीवन में भौतिक, रासायनिक एवं जैविक विज्ञान का अनुप्रयोग। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की नीति, नई पहल राष्ट्रीय एजेंडे के अनुरूप, विज्ञान परियोजनाओं में भारत और विश्व सहयोग।
- भारत में उपग्रह संचार, इन्सैट उपग्रह अनुप्रयोग, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग, क्रायोजेनिक रॉकेट, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, विकास में अंतरिक्ष तकनीकों की भूमिका। भारत में आईटी उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग, प्रदर्शन प्रौद्योगिकी, दूरसंचार। मिसाइल प्रणाली और उनका वर्गीकरण, भारत की मिसाइल प्रणाली, भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली, भारत में यूएवी, गुप्त प्रौद्योगिकी, रासायनिक हथियार, जैविक हथियार।
- नैनोसाइंस, नैनोटेक्नोलॉजी और नैनोमटेरियल्स, नैनोटेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग, नैनोटेक्नोलॉजी के स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय प्रभाव। रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स के अनुप्रयोग और बेरोजगारी के मुद्दे।
- भारत की परमाणु–ऊर्जा नीति, परमाणु ऊर्जा के अनुप्रयोग, विकिरण का प्रभाव, रेडियोधर्मी अपशिष्ट के मुद्दे, परमाणु और रेडियोलॉजिकल आपदाएँ। जैव प्रौद्योगिकी एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान का अनुप्रयोग, जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाएँ, बायोपाइरेसी के मुद्दे, बायोइनफॉरमैटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी में नैतिक आयाम।

प्रश्नपत्र–2
विषय– सामान्य अध्ययन– II
1–भारतीय राजव्यवस्था और संविधान

- भारतीय संविधान– ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना, संविधान के बुनियादी प्रावधानों के विकास में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका।
- संघ और राज्यों के कार्य और जिम्मेदारियाँः संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर तक शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसमें चुनौतियाँ।
- केंद्र–राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका।
- संसद और राज्य विधायिका– संरचना, कार्य, कार्य का संचालन, शक्तियां, विशेषाधिकार और संबंधित मुद्दे।

2–शासन

- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणालीः सरकार के मंत्रालय और विभाग, दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राजनीति में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (पीआईएल)।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य एवं उनकी जिम्मेदारियाँ।
- नीति आयोग सहित वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध–न्यायिक निकाय, उनकी विशेषताएं और कार्यप्रणाली।
- विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां, हस्तक्षेप और उनके डिजाइन, कार्यान्वयन और सूचना संचार

प्रौद्योगिकी (आईसीटी) से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

3–अर्थव्यवस्था एवं कृषि

- सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति (एस0डी0जी0), विनिर्माण क्षेत्रः चुनौतियाँ एवं रणनीतियाँ, ऊर्जा क्षेत्र का परिदृश्य, यातायात के विभिन्न साधनों की स्थिति–सतह, जल एवं वायु।
- सरकारी बजट एवं वित्तीय प्रणाली के घटक, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीतियों में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव, विदेशी व्यापार : समस्यायें एवं सम्भावनायें।
- प्रमुख कृषि फसलों का उत्पादन एवं कृषि का वाणिज्यीकरण, विभिन्न प्रकार की खाद, उर्वरक, सिंचाई विधि तथा सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भण्डारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई–तकनीकी।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, कृषि विविधता, उ0प्र0 में कृषि की समस्यायें एवं उनका समाधान, कृषि में तकनीकी अभियान।

4–नीतिशास्त्र और सत्यनिष्ठा

- नीतिशास्त्रः आधारतत्व एवं विशेषताएं– नैतिकता के मानक अध्ययन के रूप में नीतिशास्त्र; सत्य, सही एवं शुभ; नैतिकता, मूल्य, नीतिशास्त्र एवं अधिनीतिशास्त्र; प्रेरणा एवं उद्देश्य; नैतिक निरपेक्षवाद एवं सापेक्षवाद।
- नैतिक विचार– ऋत एवं धर्म; पुरुषार्थ एवं वर्णाश्रम धर्म; यम, नियम एवं ब्रह्म–विहार; उपयोगितावाद; कर्तव्य सिद्धान्त; संवेगवाद।
- मनोवृत्तिः स्वरूप, घटक तथा निर्माण। विचार तथा व्यवहार पर मनोवृत्ति का प्रभाव। नैतिक मनोवृत्ति निर्माण तथा परिवर्तन। सामाजिक प्रभाव तथा अनुनय।
- अभिक्षमता तथा भावनात्मक बुद्धिमताः अभिक्षमता तथा सत्यनिष्ठा का अर्थ। सार्वजनिक सेवाओं में निष्पक्षता, गैरपक्षपात, वस्तुनिष्ठता तथा समर्पण का महत्व। भावनात्मक बुद्धिमता की अवधारणा तथा आयाम। प्रभावी नेतृत्व, निर्णयन तथा कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति एवं सहिष्णुता में भावनात्मक बुद्धिमता का योगदान।

5–समसामयिक घटनाएं

क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं खेलकूद के साथ

- **वैश्विक**
- **दक्षिण एशिया तथा सार्क**
- **भारत**
- **उत्तर प्रदेश**

प्रश्नपत्र–3

विषय– सामान्य हिन्दी एवं आलेखन

1. दिये हुए अपठित गद्यांश का शीर्षक, तीन रेखांकित अंशों की व्याख्या एवं संक्षेपण 5+15+10 =30 अंक
2. (क) किसी दिये गये सरकारी पत्र का सारिणी–रूप (Tabular form) में सार–लेखन 10 अंक

(ख) पत्राचार : शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अनुस्मारक, कार्यालय–ज्ञाप, विज्ञप्ति, टिप्पण एवं प्रतिवेदन 10+10 =20 अंक

3. पारिभाषिक शब्दावली : (प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक शब्दावली)
   (क) हिन्दी से अंग्रेजी रूपांतरण
   (ख) अंग्रेजी से हिन्दी रूपांतरण 10+10 =20 अंक
4. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ : अर्थ एवं वाक्य–प्रयोग (केवल दस) 10X3 =30 अंक
5. (क) व्याकरण–विचार : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, कारक, क्रिया 5X3 =15 अंक
   (ख) विराम–चिह्न 05 अंक
   (ग) अशुद्धि–शोधन : (i) शब्दगत (वर्तनी की) अशुद्धियाँ
   (ii) वाक्यगत अशुद्धियाँ 5+5 =10 अंक
6. वर्ण–विचार : स्वर एवं व्यंजन वर्ण, स्वर एवं व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण 10 अंक
7. (क) हिन्दी शब्द–समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी 10 अंक
   (ख) हिन्दी शब्द–रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास 10 अंक
   (ग) हिन्दी अर्थ–विधान : पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द 20 अंक
8. कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान 10 अंक

प्रश्नपत्र–4

विषय– हिन्दी निबन्ध

नोट : इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड होंगे। प्रत्येक खण्ड से एक निबन्ध लिखना अनिवार्य होगा। प्रथम खण्ड के निबन्ध के लिए 80 अंक और 800 शब्द तथा द्वितीय खण्ड के निबन्ध के लिए 120 अंक और 1200 शब्द निर्धारित हैं।

प्रथम खण्ड :
1. विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी
2. आर्थिक क्षेत्र
3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार
4. प्राकृतिक आपदाएँ–भूस्खलन, भूकम्प, बाढ़, सूखा आदि

द्वितीय खण्ड :
1. साहित्य एवं संस्कृति
2. सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र
3. राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय घटनाचक्र
4. राष्ट्रीय विकास–योजनाएँ एवं परियोजनाएँ

सचिव